पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 12वीं
(सैद्धांतिक)

1. निम्नलिखित के अर्थ एवं परिभाषाएँ :-

   वर्ण, अलंकार, ग्राम, मूर्छना, गमक, खटका तथा मुर्की।

2. हिमाचल प्रदेश के पारम्परिक लोकवाद्य यंत्र एवं लोक गायन शैलियाँ।

3. रागों के समय सिद्धान्त का विस्तृत अध्ययन।

4. महान शास्त्रीय गायकों का जीवन परिचय।

   (क) पंडित ओंकारनाथ ठाकुर (ख) पंडित भीमसेन जोशी

   (ग) श्रीमती किशोरी अमोनकर

5. रागों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके द्रुत ख्यालों की स्वर लिपियां।

   (क) राग बिहाग (ख) राग भैरव

6. तालों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके ठेके को दुगुन सहित लिपिबद्ध करना।

   (क) झपताल (ख) रूपक

7. प्राचीन संगीत - ग्रन्थ ''संगीत रत्नाकर'' का संक्षिप्त अध्ययन।

पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 12वीं
(क्रियात्मक)

क्रम संख्या	विषय साम्रगी	अंक विभाजन
1.	पाठ्यक्रम के किसी एक राग में आरोह - अवरोह, पकड़ सहित एक विलम्बित ख्याल का गायन।	07
2.	पाठ्यक्रम के रागों में द्रुत ख्याल का गायन साधारण आलाप तथा तानों सहित।	05
3.	एक पारम्परिक हिमाचली लोकगीत का गायन।	05
4.	पाठ्यक्रम के तालों को ठाह तथा दुगुन सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	05
5.	पाठ्यक्रम पर आधारित लघु-प्रश्नावली के माध्यम द्वारा बौद्धिक परीक्षण।	03

पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 12वीं
(सैद्धांतिक)

1. निम्नलिखित के अर्थ एवं परिभाषाएँ :-

   ताल, लय, अध्वदर्शक स्वर, कण स्वर, पूर्वांग, उतरांग, आश्रयराग।

2. विभिन्न गायन शैलियों का अध्ययन।

   (क) ठुमरी (ख) तराना।

3. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

   (क) प्राचीन काल। (ख) मध्यकाल तथा आधुनिक काल।

4. महान शास्त्रीय गायकों का जीवन परिचय।

   (क) पंडित जसराज (ख) आचार्य कैलाशचंद्र देव बृहस्पति

   (ग) श्रीमती प्रभाअत्रे

5. रागों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके द्रुत एवं बिलम्बित ख्यालों की स्वर लिपियां।

   (क) राग भीमपलासी (ख) राग भैरवी

6. तालों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके ठेके को दुगुन सहित लिपिबद्ध करना।

   (क) दीपचंदी (ख) खेमटा

7. प्राचीन संगीत - ग्रन्थ ''संगीत पारिजात'' का संक्षिप्त अध्ययन।

पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 12वीं
(क्रियात्मक)

क्रम संख्या	विषय साम्रगी	अंक विभाजन
1.	पाठ्यक्रम के रागों में एक-एक ''द्रुत ख्याल'' आरोह - अवरोह, पकड़ साधारण आलाप तथा तान सहित गायन।	07
2.	पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ''तराना'' का गायन।	05
3.	किसी राग पर आधारित एक ''भजन'' का गायन।	05
4.	पाठ्यक्रम के तालों को ठाह तथा दुगुन सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	05
5.	पाठ्यक्रम पर आधारित लघु-प्रश्नावली के माध्यम द्वारा बौद्धिक परीक्षण।	03

पाठ्यक्रम (संगीत वादन) कक्षा 12वीं
(सैद्धांतिक)

1. निम्नलिखित के अर्थ एवं परिभाषाएँ :-

   वर्ण, ग्राम, मूर्छना, आलाप, मींड, जोड़-आलाप, झाला, अविर्भाव, तिरोभाव।

2. रागों के समय सिद्धांत का विस्तृत अध्ययन।

3. हिमाचल प्रदेश के पारम्परिक लोकवाद्य यंत्र एवं लोक गायन शैलियाँ।

4. महान शास्त्रीय संगीत वादकों का जीवन परिचय।

   (क) पंडित रविशंकर (ख) पंडित निखिल बैनर्जी

   (ग) श्रीमती शरणरानी

5. रागों के सम्पूर्ण परिचय सहित उनकी मसीतखानी तथा रज़ाखानी गतों की स्वरलिपियां।

   (क) राग बिहाग (ख) राग भैरव

6. तालों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके ठेके को दुगुन सहित लिपिबद्ध करना।

   (क) रूपक (ख) झपताल

7. प्राचीन संगीत - ग्रन्थ 'नाट्यशास्त्र' का संक्षिप्त अध्ययन।

पाठ्यक्रम (संगीत वादन) कक्षा 12वीं
(क्रियात्मक)

क्रम संख्या	विषय साम्रगी	अंक विभाजन
1.	पाठ्यक्रम के किसी राग में एक मसीतखानी गत का वादन आरोह - अवरोह, पकड़, तथा दो तोड़ों सहित।	07
2.	पाठ्यक्रम के रागों में एक रज़ाखानी गत का वादन आरोह-अवरोह, पकड़, तथा दो तोड़ों सहित।	05
3.	किसी एक पारम्परिक हिमाचली लोकगीत का वादन।	05
4.	पाठ्यक्रम के तालों को ठाह तथा दुगुन लयकारी सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	05
5.	पाठ्यक्रम के रागों तथा तालों को पहचानने की क्षमता।	03

पाठ्यक्रम (संगीत वादन) कक्षा 12वीं
(सैद्धांतिक)

1. निम्नलिखित के अर्थ एवं परिभाषाएं :-

   मुखड़ा, टुकड़ा, अल्पत्व, बहुत्व, आश्रय – राग, परमेल प्रवेशक राग, अध्वदर्शक स्वर, पूर्वांग, उतरांग, कृंतन, ज़मज़मा।

2. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

   (क) प्राचीन काल (ख) मध्यकाल तथा आधुनिक काल

3. संक्षिप्त टिप्पियाँ।

   (क) शास्त्रीय संगीत (ख) लोक संगीत

4. महान शास्त्रीय संगीतकारों का जीवन परिचय।

   (क) पंडित हरिप्रसाद चौरसिया (ख) श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

   (ग) उस्ताद शाहिद परवेज़

5. रागों के सम्पूर्ण परिचय सहित उनकी मसीतखानी तथा रज़ाखानी गतों की स्वरलिपियां।

   (क) राग भीमपलासी (ख) राग भैरवी

6. तालों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके ठेके को दुगुन सहित लिपिबद्ध करना।

   (क) दीपचंदी (ख) खेमटा

7. पंडित शारंगदेव कृत ''संगीत रत्नाकर'' ग्रन्थ का संक्षिप्त अध्ययन।

पाठ्यक्रम (संगीत वादन) कक्षा 12वीं
(क्रियात्मक)

क्रम संख्या	विषय सामग्री	अंक विभाजन
1.	पाठ्यक्रम के किसी राग में एक मसीतखानी गत का वादन आरोह - अवरोह, पकड़, तथा दो तोड़ों सहित।	07
2.	पाठ्यक्रम के रागों में एक रज़ाखानी गत का वादन आरोह - अवरोह, पकड़, तथा दो तोड़ों सहित।	05
3.	किसी एक पारम्परिक हिमाचली लोकगीत का वादन।	05
4.	पाठ्यक्रम के तालों को ठाह तथा दुगुन लयकारी सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	05
5.	पाठ्यक्रम के रागों तथा तालों को पहचानने की क्षमता।	03